2021 तक चलेगी मेट्रो-3

अश्विनी भिड़े से बातचीत

मुंबई की जीवन रेखा मानी जाने वाली लोकल ट्रेन की तकरीबन 2150 गाड़ियां लाखों मुंबईकरों को उनके गंतव्य तक पहुंचाती हैं, फिर भी लगभग 75 लाख यात्रियों के लिए यह चुनौती पूर्ण स्थिति है कि पीक ऑवर में रेल में पांव रखने की जगह मुश्किल होती है. ऐसे में समय की मांग है कि मेट्रो रेल सेवा बढ़ाई जाए. इसी कड़ी में मेट्रो-3 परियोजना की शुरुआत की गई है. यह कोलाबा, बांद्रा, सिप्झ से होकर जाने वाला 33.50 किलोमीटर लम्बा मार्ग है. केंद्र और राज्य सरकार के बीच 50-50 फीसदी भागीदारी में एमएमआरसी इसे पूरा करने वाली है. एमएमआरसी का महाप्रबंधक तेज-तर्रार आईएएस अधिकारी अश्विनी भिड़े को बनाया गया है, जिन्होंने 20 साल के कार्यकाल में 10 वर्ष शहर की प्लानिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर पर ही काम किया है. मेट्रो-3 की योजना के बारे में **अश्विनी भिड़े** से हमारे विशेष संवाददाता **अखिलेश तिवारी** ने विस्तार से बातचीत की.

मुंबई मेट्रो-3 की तीव्र-गति यातायात सुविधा का मूल उद्देश्य क्या है?

मुंबई मेट्रो लाइन-3 योजना पूरी तरह कार्यान्वित होने के पश्चात सड़क यातायात के बोझ में बड़े पैमाने पर कमी आ जाएगी. मेट्रो लाइन -3 परियोजना की वजह से करीब 16 लाख रेल यात्रियों को वातानुकूलित डिब्बों में सफर, कम समय में यात्रा, ध्वनि व हवा का प्रदूषण रहित वातावरण और सुरक्षित व आरामदेह सफर के अनुभव का मौका मिलेगा. 6 व्यावसायिक क्षेत्र, 30 शिक्षा संस्थान, 30 खेलकूद सुविधाओं और डोमेस्टिक व अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों को इसके स्टेशन परस्पर जोड़ देंगे. इसमें से पांच स्टेशन ऐसे होंगे जो उपनगरीय रेलों को कनेक्ट करेगा साथ ही एक स्टेशन मोनो रेल से जुड़ा होगा और एक स्टेशन 'वर्सोवा-अंधेरी-घाटकोपर' मेट्रो-1 से कनेक्ट होगी.

मेट्रो-3 का काम कब से शुरू होगा ?

मेट्रो-3 का काम बरसात के बाद से शुरू हो जाएगा. अभी मानसून तक टनलिंग, डिजाइनिंग और बाकी मैकेनिज्म का काम पूरा कर लिया जाएगा. जापान अन्तराष्ट्रीय सहकार संस्था की गाईडलाइन्स के तहत काम आगे बढ़ रहा है.

किस कंपनी को ठेका दिया जा रहा है व मापदंड क्या होगा?

एमएमआरसी ने ग्लोबल लेवल पर निविदा मंगवायी था, जिसमें से 9 संयुक्त कंपनियों ने बिडिंग में हिस्सा लिया है, जिसमें से वैल्यूवेशन कमेटी किसी 5 कंपनी को चुनेगी, जिसके पास अंडरग्राउंड मेट्रो बनाने का अनुभव है उन्हें ही प्रधानता दी जाएगी.

मेट्रो-3 को लेकर कई इलाके में रुकावटें आ रही थी?

गिरगांव और कालबादेवी इलाके के अलावा जिस भी इलाके में लोग प्रकल्प से प्रभावित होंगे उनका पुनर्वसन आसपास के एरिया में ही किया जाएगा. मुख्यमंत्री ने भी लोगों को इस बात का आश्वासन दिया है. एमएमआरसी ने ऐसे लोगों को ध्यान में रखते हुए एक योजना भी बनायीं है, जिसका प्रस्ताव राज्य सरकार के पास भेजा गया है.

आरे कॉलोनी या कांजुरमार्ग, अंततः डिपो कहां बनेगा?

एमएमआरसी के पास कांजुरमार्ग की जगह का पर्याय तो है, लेकिन कुछ कानूनी अड़चनों की वजह से अभी दूसरे विकल्प भी तलाशे जा रहे हैं. आरे कॉलोनी में बिना पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए एक निजी जमीन के मालिक ने डिपो बनाने के लिए 26 हेक्टेयर जमीन देने की पेशकश की है, जिसका प्रस्ताव राज्य सरकार के पास भेजा गया है. हम ग्रीन मेट्रो बनाने वाले हैं. 2021 में जब प्रोजेक्ट बनकर तैयार होगा, तब मेट्रो की वजह से हर रोज कफ परेड से सीप्झ के बीच में 556771 वाहनों की ट्रिप्स में कमी आएगी. करीब 243390 लीटर पेट्रोल और डीजल की बचत होगी, जिससे रोजाना 158.14 लाख रुपए की सेविंग होगी. सबसे अहम बात है कि वाहनों के इतने नहीं चलने से करीब 12590 टन ऑक्सीजन हर साल मिलेगा.

कुल 27 स्टेशन

कफ परेड, विधान भवन, चर्चगेट, पश्चिम रेल्वे उपनगरी स्टेशन, हुतात्मा चौक, छत्रपति शिवाजी टर्मिनस मेट्रो, मध्य रेल्वे टर्मिनस स्टेशन, कालबादेवी, गिरगांव, ग्रांट रोड, पश्चिम रेल्वे उपनगरी स्टेशन, मुंबई सेन्ट्रल मेट्रो, पश्चिम रेल्वे टर्मिनस स्टेशन, राज्य परिवहन डिपो, महालक्ष्मी, पश्चिम रेल्वे उपनगरी स्टेशन, विज्ञान संग्रहालय, आचार्य अत्रे चौक, वर्ली, सिद्धिविनायक, दादर, शीतलादेवी, धारावी, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, विद्यानगरी, सांताक्रुज, राष्ट्रीय हवाईअड्डा, सहार रास्ता, अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा, मरोल नाका, मेट्रो लाईन-1,एमआईडीसी, सिप्झ, आरे डिपो.

पांच स्टेशनों पर बदल सकते हैं साधन

- पश्चिम रेलवे मध्य उपनगरी स्टेशन
- मध्य रेलवे टर्मिनस स्टेशन
- पश्चिम रेलवे उपनगरी स्टेशन
- पश्चिम रेलवे टर्मिनस स्टेशन, राज्य परिवहन डिपो
- पश्चिम रेलवे उपनगरी स्टेशन